



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 212]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 29, 2000/आश्विन 7, 1922

No. 212]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 29, 2000/ASVINA 7, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. 35 (आर ई-00)/1997-2002

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2000

फा. सं. 01/94/180/एचबी/ए एम 01/पीसी 4. — भारत के राजपत्र असाधारण में यथा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 के पैराग्राफ 4.11 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1)(आर ई-2000), 1997-2002 में, एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

1 पैराग्राफ 4.15 के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:-

उपर्युक्त पैरा (ख) और (ग) के प्रावधान डी ई पी बी पर लागू नहीं होंगे। डी ई पी बी जोकि शुल्क क्रेडिट हकदारी प्रकृति की है शुल्क के वास्तविक डेबिट की तारीख को वैध होनी चाहिए।

2. पैराग्राफ 5.3 (5)(1) के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:-

इसके साथ-साथ ये एजेंसियाँ यह भी प्रमाणित करेंगी कि आयातित मद (मर्चे) वास्तव में इसके वर्गीकरण हेतु अन्तरराष्ट्रीय तौर पर स्वीकृत मानदंडों के अनुसार धातु अपशिष्ट/स्क्रेप/पुराने/खराब हैं।

3. पैराग्राफ 6.6 (ग) संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

"ई पी सी जी लाइसेंस धारक को पूंजीगत वस्तुओं की आपूर्ति करने के इच्छुक स्वदेशी विनिर्माता ई पी सी जी लाइसेंस धारक को आपूर्ति होने वाली पूंजीगत वस्तुओं हेतु आवश्यक संघटकों समेत निवेशों के आयात के लिए निर्यातों के लिए अग्रिम लाइसेंस को जारी करने हेतु लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदन करेगा।"

4. निम्नलिखित को पैरा 6.6 क के तौर पर जोड़ा जाएगा:-

6.6क अन्तर्वर्ती समझौता ई पी सी जी लाइसेंस धारक को आपूर्ति की जाने वाली पूंजीगत वस्तुओं के विनिर्माण हेतु आवश्यक संघटकों के आयात हेतु, इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने से पहले 0%/10% ई पी सी जी स्कीम के अन्तर्गत 31-3-2000 तक, स्वदेशी विनिर्माता जिन्होंने ई पी सी जी लाइसेंस प्राप्त किए हों, उसी लागत बीमा भाड़ा मूल्य और रेल पर्यंत निशुल्क मूल्य हेतु मान्य निर्यातों के लिए आयात की मदों और आपूर्ति हेतु अग्रिम लाइसेंस की जारी करने के लिए पात्र होंगे। तथापि, यह सुविधा उन ई पी सी जी लाइसेंसों के बारे में उपलब्ध होगी जिनका उपयोग बिल्कुल न किया हो। ऐसे सभी आवेदन, जिनमें संघटकों हेतु ई पी सी जी लाइसेंस को जारी करने के लम्बित आवेदनों को मान्य निर्यातों हेतु अग्रिम लाइसेंस के लिए आवेदन में परिवर्तित करने वाले शामिल हैं। इन आवेदनों पर बिना कोई अतिरिक्त शुल्क का भुगताना किए विचार किया जाएगा।

5. पैराग्राफ 6.12 का पहला वाक्य संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

लाइसेंस धारक संबंधित प्राधिकारी को इस क्षेत्राधिकार वाले केन्द्र उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों अथवा स्वतंत्र सनदी अभियंता द्वारा, जैसा भी मामला हो, प्राप्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें आयात पूरा होने की तारीख से छह महीनों के भीतर पूंजीगत वस्तुओं के इस्तेमाल और संस्थापना की पुष्टि की गई हो।

6. निम्नलिखित को पैराग्राफ 6.20 के तौर पर जोड़ा जाएगा:-

अन्तर्वर्ती व्यवस्था 6.20 5% ई पी सी जी स्कीम के अन्तर्गत 1-4-2000 से 26-4-2000 के बीच जारी किए गए ई पी सी जी लाइसेंसों के बारे में जहाँ 24-7-2000 से पहले आगम पत्र प्रस्तुत किया गया हो, लाइसेंस धारक शून्य शुल्क ई पी सी जी स्कीम अथवा 10% ई पी सी जी स्कीम के अन्तर्गत इन स्कीम हेतु लागू पात्रता मानदंडों के अनुसार 2000 ईस्वी के दौरान लागू नीति के अन्तर्गत ई पी सी जी लाइसेंस को जारी करने हेतु आवेदन कर सकता है। लाइसेंस धारक को ई पी सी जी लाइसेंस की प्रतियों सहित प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1)(31-3-99 तक के संशोधनों सहित) में यथा उल्लिखित संशोधित आवेदन प्रस्तुत करना होगा। लाइसेंस धारक को कोई अतिरिक्त दस्तावेज और शुल्क नहीं देना होगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारी शून्य शुल्क/10

प्रतिशत ई पी सी जी स्कीम के अन्तर्गत, जैसा भी मामला हो, मदों का विवरण अथवा लागत बीमा भाड़ा मूल्य बदले बिना लाइसेंस जारी करेगा।

7. पैराग्राफ 7.38 के पहले उप-पैराग्राफ को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

डी ई पी बी के अन्तर्गत क्रेडिट को प्रदान करने के लिए परिशिष्ट-11ग में दिए प्रपत्र में संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदन करना होगा और उसमें विनिर्दिष्ट दस्तावेज भी देने होंगे। पैराग्राफ 7.2 के प्रावधान डी ई पी बी पर भी लागू होंगे। मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य को दस्तावेजों को तैयार करने/खरीदने/संकलित करने की तारीख को प्रचलित प्राधिकृत डीलर टी/टी खरीद दर के अनुसार भारतीय रूपयों में परिवर्तित किया जाएगा। इस प्रकार परिकलित पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य पर क्रेडिट की डी ई पी बी दर लागू होगी।

8 पैराग्राफ 7.38 का अंतिम उप पैराग्राफ संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

ऐसे मामलों में जहाँ डी ई पी बी क्रेडिट प्रदान करने हेतु आवेदन निर्यात आय को प्राप्त करने के बाद प्रस्तुत किया जाता है, मुक्त विदेशी मुद्रा में पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य को दस्तावेजों को तैयार करने/खरीदने/संकलित करने की तारीख को प्रचलित प्राधिकृत डीलर टी/टी खरीद दर के अनुसार भारतीय रूपयों में परिवर्तित किया जाएगा। इस तरह परिकलित पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य पर क्रेडिट की डी ई पी दर लागू होगी। डी ई पी बी के अन्तर्गत किए गए आयातों का लागत बीमा भाड़ा मूल्य, पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य से ज्यादा नहीं होगा जिसके मद्दे डी ई पी बी जारी किया गया हो। लाइसेंसिंग प्राधिकारी डी ई पी बी पर इस आशय का पृष्ठांकन शामिल करेगा और डी ई पी बी पर पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य (भारतीय रूपयों में) का भी उल्लेख करेगा।

9 परिशिष्ट 28क में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:-

क. उत्पाद समूह: इलेक्ट्रॉनिक्स, उत्पाद कोड: 83

(i) क्रम सं. 1 पर निर्यात उत्पाद का विवरण को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

"कम्पलसरी इलेक्ट्रॉनिक रोटरी स्प्रेडिंग मशीन/स्टीम आप्रेशन चैम्बर्स सहित अथवा रहित विभिन्न प्रकार/चौड़ाई के केबिन, गनज, पम्पस, इकोनोमाइजर"

(ii) क्रम सं. 6 पर निर्यात उत्पाद के विवरण को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

"डिजिटल पैनल मीटर/वोल्टेज करंट के लिए मोड्यूल"

(iii) क्रम सं. 36 पर निर्यात उत्पाद के विवरण को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

"क्वार्टज एनलॉग क्लाक्स/अलार्म सहित या रहित टाइम पीस/चाइम/पेंडुलम कार्य एवं क्वार्टज टाइमिंग मकैनैनिज्म/उपर्युक्त प्रकार के क्लाक्स के लिए मूवमेंट/टाइम पीस (इन कासिंग)/ एस के डी कंडीशन"

(iv) क्रम सं. 52 (iii) पर निर्यात उत्पाद के विवरण को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

"कपैसिटर ग्रेड मैटेलाइज्ड प्लास्टिक फिल्म"

ख उत्पाद समूह: वस्त्र उत्पाद कोड: 89

(i) तीन प्रविष्टियों में प्रत्येक के आरम्भ में शब्द और अभिव्यक्ति "ब्लीचड/" जोड़कर क्रम सं. 44(क), (ख) और (ग) पर निर्यात उत्पाद का विवरण संशोधित किया जाएगा।

इसे लोक हित में जारी किया जाता है।

एन एल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE NO. 35 (RE-00)/1997-2002**

New Delhi, the 29th September, 2000

F. No. 01/94/180/HB/AM01/PC IV.—In exercise of powers conferred under paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997-2002, as notified in the Gazette of India extraordinary, Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures (Vol. 1) (RE-2000), 1997-2002.

1. Following shall be added at the end of paragraph 4.15:

The provisions of paragraph (b) and (c) above shall not be applicable to DEPB. DEPB which is in the nature of duty credit entitlement must be valid on the date on which actual debit of duty is made.

2. The following shall be added at the end of paragraph 5.3(v)(i) :

Simultaneously these agencies will also certify that the imported item(s) is actually a metallic waste/scrap/seconds/defective as per the internationally accepted parameters for such a classification.

3. The paragraph 6.6(c) shall be amended to read as under:

"The indigenous manufacturer intending to supply capital goods to the EPCG licence holder may apply to the licensing authority for the issuance of Advance licence for deemed exports for import of inputs including components required for the manufacture of capital goods to be supplied to the EPCG licence holder.

4. The following shall be added as paragraph 6.6 A.

6.6A	Transitional Arrangement	The indigenous manufacturers who have obtained EPCG licences, upto 31-3-2000 under 0%/10% EPCG Scheme or under 5% EPCG Scheme prior to the issuance of this Public
------	--------------------------	--

Notice, for import of components required for manufacture of capital goods to be supplied to the EPCG licence holder, shall be entitled for the issuance of Advance Licence for deemed exports for the same CIF value and the FOR value and for the same items of import and supply. This facility shall however be available in respect of those EPCG Licences which have not been utilized at all. All such requests, including the ones for conversion of pending applications for the issuance of EPCG licence for components into the application for Advance Licence for deemed exports, shall be entertained without payment of any additional fee.

5. The first sentence of paragraph 6.12 shall be amended to read as under:

The licence holder shall produce to the concerned licensing authority a certificate by the jurisdictional central excise authorities or by an independent chartered Engineer, as the case may be, confirming installation and use of capital goods within six months from the date of completion of imports.

6. The following shall be added as paragraph 6.20:

Transitional arrangement	6.20	<p>In respect of EPCG licences issued between 1.4.2000 to 26.4.2000 under 5% EPCG scheme where bill of entry has been filed prior to 27.4.2000, the licence holder may apply for issuance of EPCG licence under the Policy prevalent during AM2000 either under zero duty EPCG scheme or under 10% EPCG scheme as per the eligibility criteria applicable to such Scheme. The licence holder shall submit a revised application as given in Appendix-10A of Handbook of Procedure (Vol.1)(incorporating</p>
--------------------------	------	---

amendment upto 31.3.99) alongwith copies of EPCG licence. No additional document and fee shall be required to be submitted by the licence holder. The Licensing Authority shall issue the licence under zero duty/10% EPCG scheme, as the case may be, without changing the description of items or the CIF value.

7. The first sub-paragraph of paragraph 7.38 shall be amended to read as under:

An application for grant of credit under DEPB may be made to the licensing authority concerned in the form given in Appendix-11C alongwith the documents prescribed therein. The provisions of paragraph 7.2 shall be applicable for DEPB also. The FOB value in free foreign exchange shall be converted into Indian rupees as per the authorised dealer's T/T buying rate, prevalent on the date of negotiation/purchase/collection of document. The DEPB rate of credit shall be applied on the FOB value so arrived.

8. The last sub-paragraph of paragraph 7.38 shall be amended to read as under:

In such cases where the application for grant of DEPB credit is filed after realisation of export proceeds, the FOB value in free foreign exchange shall be converted into Indian rupees as per authorised dealers T/T buying rate, prevalent on the date of negotiation/purchase/collection of documents. The DEPB rate of credit shall be applied on the FOB value so arrived. The CIF value of imports effected under the DEPB shall not exceed the FOB value against which the DEPB has been issued. The licensing authorities shall incorporate an endorsement to this effect on the DEPB and shall also mention the FOB value in (Indian rupees) on the DEPB.

9. The following amendments shall be made in the Appendix- 28A:-

(A) Product Group: Electronics, Product Code: 83

- (i) The description of export product at S.No: 1 shall be corrected to read as under:-

"Compulsory Electronic Rotary Spraying Machine/Cabin of different types/widths fitted with or without steam operation chambers, guns, pumps, economiser".

(ii) The description of export product at S. No: 6 shall be corrected to read as under:-

" Digital Panel Meter/Moduls for Voltage Current".

(iii) The description of export product at S. No: 36 shall be corrected to read as under:-

"Quartz Analog Clocks/Time Pieces with or without Alarm/Chime/Pendulam Function & Quartz timing Mechanism/Movement for the above types of clocks/Time Pieces (in causing)/SKD condition".

(iv) The description of export product at S.No: 52(iii) shall be corrected to read as under:-

" Capacitor Grade Metalized Plastic Film".

(B) Product Group: Textiles, Product Code: 89

(i) The description of export product at S. No: 44 (a), (b) and (c) shall be amended by adding the word and expression " Bleached/" at the beginning of each of the three entries.

This issues in Public Interest.

N.L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade